भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2009
गुरुवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला
उत्तर

उड़ान संचालन पर ईंधन की कमी का प्रभाव

2009. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) खाड़ी देशों में संघर्ष के परिणामस्वरूप ईंधन की कमी के कारण देश में उड़ान प्रचालनों में कितनी कमी आई है;
(ख) क्या ईंधन संकट के समाधान के संकेत मिल रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या निलंबित किए गए उड़ान प्रचालनों को सामान्य रूप से पुनः शुरू किया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) मंगलुरु-तिरुपति उड़ान सेवा शुरू करने की सरकार की योजना का ब्यौरा क्या है जो श्रद्धालुओं की लंबे समय से चली आ रही मांग है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): जैसा कि भारतीय अनुसूचित वाहकों द्वारा सूचित किया गया है, उन्होंने विमानन ईंधन की कमी के कारण उड़ान परिचालन में कटौती नहीं की है।

(ख) और (ग): प्रश्न नहीं उठता।

(घ(: मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ ही, भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। इसलिए यह एयरलाइनों पर निर्भर है कि वे इस संबंध में मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुपालन के अध्यधीन यातायात की मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर विशिष्ट स्थानों पर हवाई सेवाएं प्रदान करें। एयरलाइनें बाजार की मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और उनकी कंपनी की नीति के आधार पर विशिष्ट मार्ग /शहर पर अपनी घरेलू उड़ान अनुसूची की योजना बनाती हैं।

******